स्मार्ट मटेरियल्स से संभव हुआ गंभीर रोगों का इलाज

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

कार्यशाला

- एमएमएमयूटी में दो दिवसीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ
- हाइड्रोजन भंडारण चिकित्सकीय कार्यों में असरकार साबित हुआ

रूहेलखंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मुशाहिद हुसैन ने कहा कि अपने गुणधर्मों के कारण स्मार्ट मटेरियल्स कहे जाने वाले नैनो मटेरियल्स भविष्य की टेक्नोलॉजी के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगे। नैनो मटेरियल्स के गुणधर्मों का आवश्यकतानुसार परिवर्तनशील होना भविष्य में उनका प्रयोग हाइड्रोजन भंडारण, चिकित्सकीय कार्यों में बेहद असरकारक साबित हो रहा है। एमआरआई, जेनेटिक उपचार, कैंसर उपचार एवं विभिन्न उपकरणों की क्षमता और उपयोगिता में अभूतपूर्व वृद्धि करने में इनका प्रयोग किया जा रहा है।

प्रो. हुसैन शुक्रवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में प्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 'स्मार्ट मटेरियल्स, डिवाइसेज एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो. श्रीनिवास सिंह ने कहा कि अब हम ज्ञान की एक ऐसी अवस्था में पहुंच चुके हैं जहां विज्ञान और प्रौद्योगिकी की सभी शाखाएं पदार्थ विज्ञान में होने वाले विकास से सबसे ज्यादा लाभान्वित होंगी। ऐसे में पदार्थ विज्ञान पर संगोष्ठी आयोजित किया जाना प्रशंसनीय है। प्रयुक्त विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीके पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया। संयोजक प्रो. डीके द्विवेदी ने संगोष्ठी विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. अभिजित मिश्र ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. हरीश चन्द्र ने किया। इस अवसर पर अतिथियों ने संगोष्ठी की स्मारिका का भी विमोचन किया।